भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3186

15 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड का विनिवेश

3186. श्री कुरुवा गोरांतला माधव:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), विशाखापत्तनम के विनिवेश का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार आगम लागत को कम कर रक्षित लौह अयस्क खानों को आवंटित कर इस संयंत्र को पुनः आरंभ करने के अवसरों का पता लगा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा ऋण सेवा के बोझ को कम करने और उनकी वित्तीय स्थिरता में सुधार के लिए क्या उपाय किए गए/किए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) से (ग): आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने दिनांक 27.01.2021 की हुई अपनी बैठक में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) (विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र अथवा विजाग इस्पात के नाम से भी ज्ञात) में भारत सरकार की शेयरधारिता के साथ-साथ आरआईएनएल की सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों में इसके हिस्से का कार्यनीतिक विनिवेश के माध्यम से 100% विनिवेश करने हेतु 'सैद्धांतिक रूप से' अनुमोदन दिया है। आरआईएनएल ने एमएमडीआर अधिनियम, 2015 की धारा 17क(2क) के तहत लौह अयस्क भंडार के आरक्षण की खान मंत्रालय, भारत सरकार से सिफारिश करने हेतु विभिन्न राज्य सरकारों यथा- ओडिशा, छत्तीसगढ़ तथा आंध्र प्रदेश से अनुरोध किया है। इस्पात मंत्रालय ने भी आरआईएनएल के पक्ष में एक लौह अयस्क ब्लॉक के आरक्षण हेतु ओडिशा सरकार से अनुरोध किया है। आरआईएनएल एक नवरत्न कंपनी के रूप में विभिन्न वाणिज्यिक तथा वित्तीय मामलों से संबंधित कार्य करता है।

****